



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 393]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 22, 2018/आश्विन 30, 1940

No. 393]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 22, 2018/ASVINA 30, 1940

## भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 2018

**भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (समापन प्रक्रिया) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2018 आई.बी.बी.आई./2018-19/जी.एन./आर.ई.जी.037.—**भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (2016 का 31) की धारा 240 के साथ पठित धारा 196 की उपधारा (1) के खंड (न) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (समापन प्रक्रिया) विनियम, 2016 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्: -

- (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (समापन प्रक्रिया) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2018 है।  
(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (समापन प्रक्रिया) विनियम, 2016 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् मूल विनियम कहा गया है) में विनियम 32 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

### “32. आस्तियां का विक्रय, आदि

परिसमापक -

- एकल आधार पर आस्ति का;
- किसी मन्दी(स्लम्प) विक्रय में आस्तियों का;
- संयुक्त रूप से आस्तियों के किसी समूह का;
- पार्सलों में की आस्तियों का;

(ड) किसी चालू समुत्थान के रूप में कारपोरेट ऋणी का; या

(च) किसी चालू समुत्थान के रूप में कारपोरेट ऋणी के कारबार का;

विक्रय कर सकेगा:

परन्तु जहां आस्ति प्रतिभूति हित के अध्यक्षीन है खंड (क) से (च) के अंतर्गत आने वाली आस्ति का विक्रय तब तक नहीं होगा जब तक के प्रतिभूत लेनदारों ने उनमें अपने प्रतिभूति हित का समापन संपदा में त्याग न कर दिया हो।”।

3. मूल विनियमों के विनियम 34 के उप-विनियम (2) में, खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:-

“(ख) विनियम 35 के अनुसार मूल्यांकित, विनियम 32 के खंड (ख) से खंड (च) के अधीन आस्तियों या कारबार का मूल्य, यदि उनका इन खंडों के अधीन विक्रय किया जाना आशयित है;”।

4. मूल विनियम में, विनियम 35 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

**“35. उन आस्तियों और कारबार का मूल्यांकन, जिनका विक्रय किया जाना आशयित है –**

(1) जहां मूल्यांकन, यथास्थिति, भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (कारपोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियम 2016 के विनियम 35 या भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (कारपोरेट व्यक्तियों के लिए फास्ट ट्रैक दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियम, 2017 के विनियम 34 के अधीन कराया गया है, वहां परिसमापक विनियमों के तहत मूल्यांकन के प्रयोजनों के लिए ऐसे मूल्यांकन के आकलनों के औसत पर विचार करेगा।

(2) उप-विनियमन (1) के तहत शामिल नहीं होने वाले मामलों में परिसमापक, समापन प्रक्रिया प्रारंभ होने की तारीख से सात दिन के भीतर, विनियम 32 के खंड (क) से खंड (च) के तहत परिसंपत्तियों या व्यवसायों के वसूली-योग्य मूल्य निर्धारित करने के लिए दो रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक नियुक्त करेगा :

परन्तु निम्नलिखित व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक नियुक्त नहीं किए जाएंगे, अर्थात्:-

(क) परिसमापक का कोई नातेदार;

(ख) कारपोरेट ऋणी का कोई संबद्ध पक्षकार;

(ग) दिवाला प्रक्रिया प्रारंभ होने की तारीख से पूर्व पांच वर्षों के दौरान किसी समय कारपोरेट ऋणी का कोई लेखापरीक्षक; या

(घ) ऐसी दिवाला व्यावसायिक संस्था का कोई भागीदार या निदेशक, जिसका परिसमापक एक भागीदार या निदेशक है।

(3) उप-विनियम (2) के अधीन नियुक्त किए गए रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक कारपोरेट ऋणी की आस्तियों का भौतिक सत्यापन करने के पश्चात्, कंपनी (रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक और मूल्यांकन) नियम, 2017 के अनुसार यथास्थिति संगणित आस्तियों या कारबार के वसूली-योग्य मूल्य के अपने-अपने आकलन परिसमापक को पृथक्-पृथक् प्रस्तुत करेंगे।

(4) उप-विनियम (3) के अधीन प्राप्त मूल्यांककों के दो आकलनों के औसत को आस्तियों या कारबार का मूल्य माना जाएगा।”।

5. मूल विनियमों के विनियम 40 में, अंत में आने वाले स्पष्टीकरण में, “आंशिक रूप से” शब्दों के पश्चात् “कारबार” शब्द अंतःस्थापित किया जाएगा।

## 6. मूल विनियमों की अनुसूची 2 में,-

(क) प्ररूप ख के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्:-

**“प्ररूप ख****सार्वजनिक घोषणा**

[भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (समापन प्रक्रिया) विनियम, 2016 का विनियम 12]

.....(कारपोरेट ऋणी का नाम) के हितधारकों के ध्यानाकर्षण हेतु

	सुसंगत विशिष्टियां	व्यौरे
1.	कारपोरेट ऋणी का नाम	
2.	कारपोरेट ऋणी के निगमन की तारीख	
3.	कारपोरेट ऋणी किस प्राधिकारी के अधीन निगमित/रजिस्ट्रीकृत है	
4.	कारपोरेट ऋणी का निगमन पहचान सं./सीमित दायित्व पहचान सं.	
5.	कारपोरेट ऋणी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय और प्रधान कार्यालय (यदि कोई है) के पते	
6.	दिवाला समाधान प्रक्रिया बन्द होने की तारीख	
7.	कारपोरेट ऋणी की समापन प्रक्रिया प्रारंभ होने की तारीख	
8.	परिसमापक के रूप में कार्य करने वाले दिवाला व्यावसायिक का नाम और रजिस्ट्रीकरण संख्यांक	
9.	परिसमापक का पता और ई-मेल, जो बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत है	
10.	परिसमापक के साथ पत्र-व्यवहार करने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाला पता और ई-मेल	
11.	दावे प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख	

यह सूचना दी जाती है कि राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (न्यायपीठ का नाम) ने .....(संहिता की धारा 33 के अधीन समापन संबंधी आदेश पारित करने की तारीख) को.....(कारपोरेट ऋणी का नाम) की समापन प्रक्रिया प्रारंभ करने का आदेश दिया है।

हितधारकों (कारपोरेट ऋणी का नाम) से सबूत सहित अपने दावे .....(समापन प्रक्रिया प्रारंभ होने से तीस दिन के पश्चात् आने वाली तारीख अंतःस्थापित करें) को या उससे पूर्व परिसमापक को प्रविष्टि सं. 10 के सामने उल्लिखित पते पर प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है।

वित्तीय लेनदार सबूत सहित अपने दावे केवल इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों द्वारा ही प्रस्तुत करेंगे। अन्य सभी लेनदार सबूत सहित अपने-अपने दावे व्यक्तिगत रूप से, डाक द्वारा या इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों द्वारा प्रस्तुत कर सकेंगे।

दावों के संबंध में मिथ्या या भ्रामक सबूत प्रस्तुत करने पर शास्तियां लागू होंगी।

परिसमापक का नाम और हस्ताक्षर:

तारीख और स्थान: ”

डॉ. एम. एस. साहू, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/असा. /314/18]

**टिप्पण :** भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (समापन प्रक्रिया) विनियम, 2016, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4, सं. 460, तारीख 15 दिसम्बर, 2016 में अधिसूचना सं. आई.बी.बी.आई./2016-17/जी.एन./

आर.ई.जी. 005, तारीख 15 दिसम्बर, 2016 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अधिसूचना सं. आई.बी.बी.आई./2017-18/जी.एन./आर.ई.जी.028, तारीख 27 मार्च, 2018 द्वारा संशोधन किया गया है।

## INSOLVENCY AND BANKRUPTCY BOARD OF INDIA

### NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd October, 2018

### THE INSOLVENCY AND BANKRUPTCY BOARD OF INDIA (LIQUIDATION PROCESS) (SECOND AMENDMENT) REGULATIONS, 2018

**No. IBBI/2018-19/GN/REG037.**—In exercise of the powers conferred by clause (t) of sub-section (1) of section 196 read with section 240 of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016), the Insolvency and Bankruptcy Board of India hereby makes the following regulations further to amend the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Liquidation Process) Regulations, 2016, namely: -

1. (1) These regulations may be called the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Liquidation Process) (Second Amendment) Regulations, 2018.  
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Liquidation Process) Regulations, 2016 (hereinafter referred to as the principal regulations), for regulation 32, the following regulation shall be substituted, namely: -

**“32. Sale of Assets, etc.**

The liquidator may sell-

- (a) an asset on a standalone basis;
- (b) the assets in a slump sale;
- (c) a set of assets collectively;
- (d) the assets in parcels;
- (e) the corporate debtor as a going concern; or
- (f) the business(s) of the corporate debtor as a going concern:

Provided that where an asset is subject to security interest, it shall not be sold under any of the clauses (a) to (f) unless the security interest therein has been relinquished to the liquidation estate.”.

3. In the principal regulations, in regulation 34, in sub-regulation (2), for clause (b), the following clause shall be substituted, namely: -

“(b) value of the assets or business(s) under clauses (b) to (f) of regulation 32, valued in accordance with regulation 35, if intended to be sold under those clauses;”.

4. In the principal regulations, for regulation 35, the following regulation shall be substituted, namely: -

**“35. Valuation of assets or business intended to be sold.**

- (1) Where the valuation has been conducted under regulation 35 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016 or regulation 34 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Fast Track Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2017, as the case may be, the liquidator shall consider the average of the estimates of the values arrived under those provisions for the purposes of valuations under these regulations.
- (2) In cases not covered under sub-regulation (1), the liquidator shall within seven days of the liquidation commencement date, appoint two registered valuers to determine the realisable value of the assets or businesses under clauses (a) to (f) of regulation 32 of the corporate debtor:

Provided that the following persons shall not be appointed as registered valuers, namely:-

- (a) a relative of the liquidator;
- (b) a related party of the corporate debtor;
- (c) an auditor of the corporate debtor at any time during the five years preceding the insolvency commencement date; or
- (d) a partner or director of the insolvency professional entity of which the liquidator is a partner or director.

- (3) The Registered Valuers appointed under sub-regulation (2) shall independently submit to the liquidator the estimates of realisable value of the assets or businesses, as the case may be, computed in accordance with the Companies (Registered Valuers and Valuation) Rules, 2017, after physical verification of the assets of the corporate debtor.
- (4) The average of two estimates received under sub-regulation (3) shall be taken as the value of the assets or businesses.”.
5. In the principal regulations, in regulation 40, in the *Explanation* occurring at the end, after the words “parcel of assets,” the word “, business” shall be inserted.
6. In the principal regulations, in Schedule II, -
- (a) for Form B, the following Form shall be substituted, namely: -

**“FORM B****PUBLIC ANNOUNCEMENT**

(Regulation 12 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Liquidation Process) Regulations, 2016)

FOR THE ATTENTION OF THE STAKEHOLDERS OF [*Name of Corporate Debtor*]

Sl. No.	PARTICULARS	DETAILS
1.	Name of corporate debtor	
2.	Date of incorporation of corporate debtor	
3.	Authority under which corporate debtor is incorporated / registered	
4.	Corporate Identity No. / Limited Liability Identification No. of corporate debtor	
5.	Address of the registered office and principal office (if any) of corporate debtor	
6.	Date of closure of Insolvency Resolution Process	
7.	Liquidation commencement date of corporate debtor	
8.	Name and registration number of the insolvency professional acting as liquidator	
9.	Address and e-mail of the liquidator, as registered with the Board	
10.	Address and e-mail to be used for correspondence with the liquidator	
11.	Last date for submission of claims	

Notice is hereby given that the National Company Law Tribunal (*Name of Bench*) has ordered the commencement of liquidation of the [*Name of the corporate debtor*] on [*date of passing of order of liquidation under section 33 of the Code*].

The stakeholders of [-----*Name of the corporate debtor*] are hereby called upon to submit their claims with proof on or before -----[*Insert the date falling thirty days after the liquidation commencement date*], to the liquidator at the address mentioned against item No. 10.

The financial creditors shall submit their claims with proof by electronic means only. All other creditors may submit the claims with the proof in person, by post or by electronic means.

Submission of false or misleading proof of claims shall attract penalties.

Name and signature of liquidator :

Date and place : ” :

Dr. M. S. SAHOO, Chairperson

[ADVT.-III/4/Exty./314/18]

**Note :** The Insolvency and Bankruptcy Board of India (Liquidation Process) Regulations, 2016 were published *vide* notification No. IBBI/2016-17/GN/REG005 on 15<sup>th</sup> December, 2016 in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, No. 460 dated 15<sup>th</sup> December, 2016 and was amended *vide* notification No. IBBI/2017-18/GN/REG028, dated the 27<sup>th</sup> March, 2018.